प्रवाह

पिलानी ▪ सोमवार ▪ 13 मार्च 09

BITS ma bahtI Kbara kI Qaara

अपोजी की आहट ..

अपोजी 2009 को एक विचारमंथन का मंच बनाने की इस बार कोशिश की जा रही है | पढ़ने लिखने के आम ढांचे में कई सारे ऐसे पहलू होते हैं जो मजबूरन वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए छोड़ने पड़ते हैं | मगर तेजी से आगे बढ़ती दुनिया में कई ऐसी चीज़ें हैं जिन्हें जाने बिना हम बहुत घाटे में पड़ सकते हैं | कुछ ऐसी ही समस्याओं का हल हैं हमारे विशिष्ट मेहमानों द्वारा ये लेक्चर | दुनिया में इनकी भी मिसाल है | आधुनिक फिजिक्स के ढेर सारे सिद्धांत ऐसे ही विशिष्ट लेक्चरों की कृपा हैं, चाहे वो स्ट्रिंग थ्योरी हो या डेवी के लेक्चर सुनकर दुनिया को नयी रौशनी देने वाले फैराडे | कहने का मतलब यह नहीं है कि हम इनसे किसी चमत्कार की अपेक्षा कर रहे हैं पर अँधेरे को कोसने से एक दिया जलाने की पहल तो वाकई काबिल-ए-तारीफ है |

मेहमानों की सूची में ....

जिमी वेल्स
विकिपीडिया के संस्थापक
विचारक एवं व्यवसायी

जिमी वेल्स का जन्म 7th अगस्त 1966, हंट्स विल्ले ,अलबामा , संयुक्त राज्य अमरीका में हुआ था | आज विकिपीडिया की प्रसिद्धि को देखते हुए (जो अब विश्व की सबसे बड़ी encyclopedia हो चुकी है) TIME मैगजीन ने उन्हें 2006 में दुनिया के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में स्थान दिया |

वेल्स के पिता एक किराने की दुकान चलाते थे और अपने बच्चों की शिक्षा का प्रबंध करना उनके लिए बहुत ही कठिन था | शिक्षा के महत्त्व को समझते हुए वेल्स के परिवारवालों ने काफी मेहनत करके उनको एक कमरे के घरेलू प्राथमिक स्कूल में पढ़ाया | शायद यही मूल्य थे जिन्होंने वेल्स को विश्वभर को मुफ्त में ही दुनिया भर को विकीपीडिया के ज़रिये सूचना उपलब्ध करने के लिए प्रेरित किया |

वेल्स एक मनमौजी व्यक्ति हैं और अपने अन्दर की आवाज़ सुनने में विश्वास रखते हैं | पारंपरिक शिक्षा पद्धति से उकता कर आपने अपने Ph.D के शोध को कभी पूरा नहीं किया | आपने वित्त (फाइनेंस) में औबर्न विश्वविद्यालय से स्नातक और अलबामा विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर किया | 1994-2000 तक वेल्स चिकागो ऑप्शन्स एसोशिएट्स के रिसर्च डिरेक्टर रहे |

मार्च 2000 में वेल्स ने एक ओपन कंटेंट encyclopedia को शुरू किया जिसको न्यूपेडिया नाम दिया गया और उन्होंने लेरी सैन्गर को उसका एडिटर इन चीफ बनाया | जनवरी 2001 में जब यह जनता के लिए खुला तब उन्होंने विकी नाम के सॉफ्टवेयर को सर्वर पर इंस्टाल किया और सैन्गर को अपने साथ फिर से नियुक्त किया और तब से उन दोनों ने मिलकर उसका कंटेंट तैयार किया और विकिपीडिया के नाम से नेट पर एक कम्युनिटी बनाई | उसके बाद से ही यह इतनी गति से आगे बढ़ी कि अब यह विश्व की सबसे बड़ी encyclopedia बन चुकी है | इसके बारे में वेल्स के शब्द थे "एक ऐसी दुनिया की कल्पना कीजिये जिसमें इस धरती पर हर इंसान को समस्त विश्व के ज्ञान पर समान अधिकार हो | हम वही कर रहे हैं | “

मध्य 2003 में वेल्स ने विकिपीडिया फाउंडेशन (व.म.फ.) की संस्थापना पीटर्सबर्ग, फ्लोरिडा में की (जो कि अब कैलिफोर्निया में स्थित है) | अब वे बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टीज़ के 8 डैरेक्टरों में से 1 हैं | जिमी वेल्स अपनी युवावस्था में काफी चुलबुले व्यक्ति रहे हैं | बोमिस नामक एक वेबसाइट से जिमी सम्बंधित रहे हैं , जिसे अपने समय में इन्टरनेट के प्लेबॉय के नाम से जाना जाता था | हालाँकि , बाद में चलके जिमी ने ये महसूस किया कि वे अपने समय का और बेहतर उपयोग कर सकते थे |

मुख्य सम्मान -

1.) 2005 -बर्कमैन सेंटर फॉर इन्टरनेट एंड सोसाइटी और हारवर्ड लॉ स्कूल के सदस्य बने .

2.) मई 8, 2006 - वेल्स को 'वैज्ञानिकों व विचारकों' खंड के 100 प्रभावशाली व्यक्तियों में TIME मैगजीन द्वारा शामिल किया गया .

3.) मई 3- 2006 - इलेक्ट्रानिक फ्रंटियर फाउंडेशन ने पायनियर पुरस्कार से सम्मानित किया.

4.) 2007- वर्ल्ड इकानामिक फोरम ने विश्व युवा नेता के रूप में वेल्स को पहचाना

उक्तियाँ :

मैं आप पर विश्वास करता हूँ | क्या आप देख रहे हैं वहां ? इस पेज को बदलें - ये लिंक है | जाइए उसे बदलिए | ये विकी की दुनिया है |

श्री दिलीप छाबड़िया
सी ई ओ: DC Design
ऑटोमोबाइल डिजाइनर और स्व-व्यवसायी

इस बार अपोजी काफी बड़े पैमाने पर और भव्य होने जा रहा है | वाहन प्रेमी इंजिनियर जनता के लिए ये मौका और भी ख़ास होगा क्यूंकि हमारे बीच होंगे इंडियन ऑटोमोबाइल डिजाइनर "श्री दिलीप छाबड़िया "| जी हाँ इस शख्सियत से हर कोई वाकिफ है .... बस ललक है तो इन्हें नजदीक से देखने की , जो इस अपोजी पूरी होने जा रही है |

मुंबई स्थित DC DESIGN नामक कंपनी के संस्थापक और मुखिया के तौर पर भारत को विश्व भर में एक अलग पहचान दिलाने वाले ये एक ऐसी शख्सियत हैं जिसने कार DESIGN की दुनिया में क्रांति ला दी है | परिवहन खाका (transportation डिजाईन) में अपनी योग्यता इन्होंने "आर्ट सेंटर कॉलेज ऑफ़ डिजाईन ", पासादेना,कैलिफोर्निया,U.S. से की और USA में जनरल मोटर्स के डिजाईन सेंटर में भी कार्य किया | ये पहले भारतीय हैं जिन्होंने 8th MIDDLE EAST INTERNATIONAL MOTOR SHOW में हिस्सा लिया | एक लाल जिप्सी .."hurricane" से अपनी डिजाईन की शुरुआत करने वाले ने सबको हतप्रभ कर दिया और तब से फिर इन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा | 1993 में मुंबई में DC डिजाईन नामक कंपनी से ऑटोमोबाइल डिजाईन की दुनिया में कदम रखा जो फोर्ड मोटर कंपनी के अंतर्गत कार्य करती है | इस कंपनी ने ASTON MARTIN VANQUISH के लिए एक प्रतिकृति(प्रोटोटाइप) बनायीं जो की जेम्स बांड की बहुचर्चित फिल्म "DIE ANOTHER DAY " में दिखाई गयी |सिर्फ यही नहीं "टार्ज़न ! the wonder car" नामक बॉलीवुड फिल्म में भी इनके डिजाईन को लोगों ने खूब पसंद किया | सन 2006 में छाबड़िया ने EXIMSTAR (जो कि एक ETA group की कंपनी है) और DILIP CHHBARIYA Pvt. Ltd. के बीच सहमति की घोषणा की | कंपनी दुबई में स्थित करने की योजना की भी उन्होंने ने पुष्टि की|
ऐसे हस्ती का हमारे बीच होना हमारे लिए गर्व की बात होगी | सिर्फ ये ही नहीं , इससे यहाँ अध्ययन कर रहे छात्रों को भी काफी कुछ सीखने को मिलेगा | हमें आशा नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि श्री दिलीप छाबड़िया का पिलानी आगमन हम सभी के लिए लाभकारी सिद्ध होगा |

अंकित फाडिया-

इन्टरनेट हैकिंग कंसल्टेंट

फाडिया एक स्वतंत्र हैकिंग कंसल्टेंट हैं| उन्होंने कंप्यूटर सम्बंधित सुरक्षा   पर अनेक पुस्तकें लिखी हैं| सन 2001 में उन्हें मैकमिलन इंडिया के 110 वर्षों के इतिहास में सबसे युवा लेखक बनने का गौरव प्राप्त हुआ | उनकी पुस्तक "*The Unofficial guide to ethical hacking*" बहुत लोकप्रिय है | वे इस समय रिलायंस इन्फो के साथ कॉर्पोरेशन की कंप्यूटर सुरक्षा का कार्यक्रम निर्देशित करते हैं | उन्होंने एक वेबसाइट "hacking truths" नाम से प्रारंभ की, जो FBI द्वारा दुनिया की सर्वश्रेष्ठ हैकिंग वेबसाइट्स की श्रेणी में द्वितीय स्थान पर है |

फाडिया D.P.S. RK पुरम के छात्र रह चुके हैं | बाल्यावस्था से ही कंप्यूटर के क्षेत्र में रूचि और कुशल योग्यता रखने वाले फडिया ने महज 14 वर्ष की उम्र में एक भारतीय मैगजीन की वेबसाइट के प्रथम पेज को हैक कर लिया था | इस वजह से बाद उन्हें मुख्य संपादक से क्षमा भी मांगनी पड़ी थी | उन्होंने 15 वर्ष कि आयु में ही अपनी पहली पुस्तक लिख दी थी |

2001 में "*classified intelligence agency*" ने ओसामा बिन लादेन के एक एन्क्रिप्टेड सन्देश को समझने के लिए फाडिया की राय ली थी | सेंट्रल क्रोनिकल के अनुसार,2005 में फाडिया को "Indo-American Society Young Achievers अवार्ड" समारोह में "**IT Leader** अवार्ड" से नवाजा गया | 2002 में ***Limca Book of records*** में उन्हें साल की प्रमुख हस्तियों में स्थान मिला | 2008 में वे पेप्सी MTV Youth Icon चुने गए |

इस अपोजी हैकिंग पर विशेष वर्कशॉप कराने के लिए “अंकित फडिया” आमंत्रित हैं |

डार्विनवाद बनाम सृष्टिवाद...........

इस साल प्रसिद्व अंग्रेज़ प्रकृतिशास्त्री चार्ल्स डार्विन के जन्म की 200वीं वर्षगाँठ है | मृत्यु के दो शतक बाद तक शायद ही कोई ऐसा वैज्ञानिक होगा जिसके सिद्धांतों को विस्तृत प्रचार के बाद भी समाज में, यहाँ तक कि अमरीका एवं यूरोप में भी , स्वीकृति नहीं मिली है | जहाँ आइंस्टाइन, हॉकिंग और फेयन्मन जैसे भौतिकशास्त्री एक वैचारिक क्रांति के प्रणेता मने जाते हैं, वहीँ डार्विन का नाम कुछ दबे शब्दों में लिया जाता है |

कारण ये है कि डार्विन का सिद्धांत कहीं न कहीं हमारी सदियों पुरानी मौलिक अवधारणाओं पर सीधी चोट है | इन दो सौ सालों में धर्म का स्वरुप जरूर बदला है, पर इतना भी नहीं कि हम इश्वर-कृत सृष्टि में अपने विश्वास को झुठला दें |

इस अपोजी डार्विन फिर से चर्चा में हैं - विषय है उनकी विरोधी विचारधारा के एक मुख्य नेता माइकल क्रेमो का कैम्पस पर आना | क्रेमो एक हिन्दू सृष्टिवादी हैं और उनका मानना है कि सृष्टि की रचना एक क्रमिक घटना नहीं है | इसकी रूपरेखा ऐसी पराशक्ति ने तैयार की है जिसके मकसद और मानसिकता को समझना मानव के लिए मुश्किल है | डार्विन की क्रमागत उन्नति के सिद्धांत के विरुद्ध क्रेमो मानते हैं कि पृथ्वी और ब्रम्हांड के इतिहास के विभिन्न मोड़ों पर तरह तरह के जीवों का उठना और नष्ट होना उसी पराशक्ति की सोची समझी परियोजना का हिस्सा है | वैदिक या हिन्दू सृष्टिवाद के प्रकाश में हम इस खेल के कलाकार मात्र हैं जिसका सूत्र आज भी एक कर्ता के हाथ में है |

निश्चित है कि तर्कवादी, क्रेमो की इस सोच पर आपत्ति जताएंगे | लेकिन कभी-कभी अपने विरोधियों को सुनना या फिर धीरे-धीरे बासी हो चुकी विचारधारा पर पुनर्विचार करना बहुत ही अहम होता है | क्या पता क्रेमो के व्याख्यान में कुछ ऐसे बिंदु मिलें जहाँ डार्विन के तर्क कमज़ोर हों ? जहाँ तक मेरा सवाल है, डार्विन की सोच मुझपर ठीक बैठती है शायद इस लिए क्योंकि डार्विन का जोर मुकाबले पर है, तकदीर पर नहीं, पुरुषार्थ पर है, दया या कृपा पर नहीं | कौन जाने?

इंटरफेस (परिवर्तन-"Angelic Change")

मैनेजमेंट असोसिएशन द्वारा प्रस्तुत 32 वां Interface अभी-अभी संपन्न हुआ है | 6 मार्च से 8 मार्च तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में देशभर के B-स्कूल से आये विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिता देखने योग्य थी |अपोजी (APOGEE) से भी ऐतिहासिक यह कार्यक्रम जो कभी मनमोहन सिंह ,राजेश पायलट ,डेरेक ओ ब्रायन ,वी वी रमण जैसी हस्तियों की मौजूदगी से चर्चित रहता है आज उसकी जिम्मेदारी युवा कंधों पर है | यह एक ऐसा मंच है,जो कल के उज्ज्वल भविष्य की नींव रख रहा है| इंटरफेस में भाग लेने वाले कुछ प्रमुख कोलेजो में IIT बॉम्बे , IIFT-दिल्ली , FMS-दिल्ली , ITM -बॉम्बे,RIMS राउरकेला , NMIMS आदि के नाम शुमार हैं | इंटरफेस में हुए कुछ प्रमुख कार्यक्रम :-

1) पेपर प्रस्तुति (Paper Presentation)

2) यंग मैनेजर ऑफ़ द मीट (YMOM) :- सभी प्रतियोगितयों में मौजूद सबसे अनोखे और सशक्त प्रबंधक का चयन किया जाता है |

3.) बिज़ क्विज़ -व्यवसाय की दुनिया में हो रही हलचल और जुड़ी हकीकतों के जानकारों लिए सबसे रोमांचक मंच प्रदान करता हैं | सञ्चालन विजय मेनन ने किया |

प्रथम पुरस्कार :- **अमेय सारडा एवं सिद्धार्थ रविचंद्रन**

द्वितीय पुरस्कार :- **रचित पारेख एवं विवेक कृष्णन**

,4) विज्ञापन प्रतियोगिता :-

प्रथम पुरस्कार :- **बिट्स की ओपेक टीम (जतिन, सुरभि, कार्तिक , प्रशांत , साईं किरण)**

द्वितीय पुरस्कार :- **आई टी एस गाजियाबाद की गैम्ब्लर्स टीम**

5) वाद-विवाद (Debate) :

प्रथम पुरस्कार :- **स्वयंजीत मिश्र और राघव मिमानी**

6) बिडिंग :

प्रथम पुरस्कार :- **ऋद्धिमान जैन और ललित (बिट्स)**

द्वितीय पुरस्कार :- **तनप्रीत सिंह सहगल (बिट्स)**

7) फोरेक्स :

प्रथम पुरस्कार :- **मोहन रेड्डी , प्रवीण कुमार (बिट्स)**

द्वितीय पुरस्कार :- **मुदित गुप्ता (बिट्स)**

सिर्फ यही नहीं इंटरफेस में इस बार कुछ और भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जैसे पैनल डिस्कशन, कार्यशालाएं और केस स्टडी | जीतने वाले को आकर्षक नगद इनाम और इनाम स्वरुप मैनेजमेंट की किताबें मिलीं | SAPIENT के निदेशक , PHILIPS भूतपूर्व प्रबंध निदेशक और BAIN ,MCKINSEY और SAIC जैसी कम्पनियों के मुख्य अफसरों को निर्णायकों तथा मुख्य अतिथियों के रूप में देखने का अवसर भी मिला |

INVENZIONE 09

ASME बिट्स-पिलानी छात्र समूह द्वारा आयोजित INVENZIONE 09 एक सफल आयोजन रहा | देश भर के शीर्ष शिक्षण संस्थानों से 75 से भी अधिक प्रतिभागियों को इस आयोजन का हिस्सा बनने का मौका मिला | आगंतुक कॉलेजों में IIT-दिल्ली, IIT-रूड़की, IIT- खड़गपुर, बिट्स-गोवा, SASTRA विश्वविद्यालय-तंजावूर, मेडिकैप्स इंदौर, जैसे कॉलेजों के नाम शामिल हैं | 20 से 22 फरवरी तक चले इस कार्यक्रम में सीखने और करने को बहुत कुछ था | INVENZIONE 09 के प्रमुख कार्यक्रम 21और 22 फरवरी को कराये गए जिनमें कुछ प्रतिभागियों को ताइवान में होने वाली **Student Profesional Devlopment Conference (SPDC)** का हिस्सा बनने का टिकट मिला तो कुछ को आकर्षक नगद इनाम | आयोजन के प्रमुख कार्यक्रम थे -

1) **Oral Presentation (पेपर प्रस्तुति)** -65 में से 20 चुनिन्दा पपेर्स जो की मेकनिकल सम्बंधित विषयों पर आधारित थे, पेश किये गए| IIT-रूड़की के सुमित वाधवा विजेता रहे |

2) **पोस्टर प्रस्तुति**- मेकनिकल से सम्बंधित घटना को प्रर्दशित करता पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता हुई ,इसमें बिट्स -पिलानी के प्रथम वर्ष के छात्र नितेश कुमार प्रथम रहे | 5 प्रमुख पोस्टर ताइवान भेजे जायेंगे |

3) नवनीत खन्ना और विजय शर्मा के प्रतिनिधित्व में **मेकानिका क्विज़** का आयोजन हुआ |इसमें 20 टीमों ने प्रतिभाग किया | फाइनल में 5 टीमों ने जगह बनाई |

4) **स्टूडेंट लीडरशिप सेमिनार (SLS)** का भी आयोजन किया गया जिसमें भारत में फैले विभिन्न ASME समूहों के 20 छात्रों का बिट्स आगमन हुआ |ASME से जुड़े मुद्दों, मुश्किलों और इसके प्रचार सम्बंधित विषयों पर चर्चा की गई| साथ हीं साथ चार सदस्यीय Student District Operating बोर्ड (SDOB) का चयन किया गया | सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं-**यश गुप्ता** (बिट्स-पिलानी), **प्रशांत अग्रवाल** (बिट्स-पिलानी), **गौरव सिंह** (बिट्स-गोवा), **दुष्यंत सिंह** (IIT-रूड़की)

5) **Student Design Competition (SDC)**

Mars Rocks नामक इस कार्यक्रम में नासा द्वारा प्रदत्त एक problem statement पर छात्रों ने जमकर पसीना बहाया | प्रशन एक ऐसे रोबोट के निर्माण का था जो उबड़-खाबड़ और बाधित इलाकों में चट्टान के टुकड़े बटोर सके| मेडिकैप्स कॉलेज इंदौर ने 9 टीमों में प्रथम रहे और उन्हें ताइवान में अपना हुनर दिखाने का अवसर प्राप्त हुआ |

6) **CAD (Computer Aided Design)** में बिट्स -पिलानी के कीर्ति ने बजी मारी |

इस तरह भारतवर्ष में आयोजित अपनी तरह का यह पहला कार्यक्रम सफल और ऐतिहासिक रहा | कुछ ने दूसरों के दांत खट्टे किये तो कुछ ने खुद के,पर आखिरकार यह आयोजन सबके लिए एक सुखद अनुभव था |

marI baat...

बहुत दिनों के बाद आखिर एक लघु अवकाश मिल ही गया जिसका हम सभी को था इंतज़ार | मान लीजिये एक **छोटी- छुट्टी** (8 से 12 मार्च) |

जी हाँ... न ही कोई टेस्ट और . न ही कोई evaluation..मतलब कोई चिंता नहीं.. और फुल मस्ती | जरा कुदरत का करिश्मा तो देखिये , ये छुट्टी भी तब मिली है जब हमें इसकी सबसे ज्यादा जरुरत है | कक्षाएं लगाते लगाते और परीक्षा के लिए घोटते-घोटते हम थक गए थे| इतनी भी फुरसत नहीं थी की अपने कमरे से बहार विंग से ये देख सकूं की बसंत ने आने का सन्देश दे दिया है | पेड़ों से हरे-पीले पत्ते अलग होकर हमारे सामने बिखर रहे हैं... मानो हमारी ख़ुशी के लिए खुद की ख़ुशी लुटा रहे हों या ये सन्देश दे रहे हों कि ये टूटने का वक़्त नहीं है, मैं फिर आऊंगा | ये तो बस एक नियम है जिसमें अनमोल बातें छुपी हैं, एक सन्देश ये भी है कि जब भी आप थक जाएँ.. इसका मतलब आपको एक छोटे से अवकाश की जरुरत है| इसके बाद और भी काम बाकी हैं करने को|
वैसे तो बाहर की दुनिया से तो हम रूबरू होते ही रहते हैं ...कहीं ख़ुशी है कहीं गम .... .चाहे वो Slumdog Millionaire को 8 ऑस्कर की बात हो... रहमान के जादू पर कितने ही गल्ले हों...अफगानिस्तान जैसे मुल्कों में आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा हो या फिर लाहौर में श्रीलंकाई खिलाड़ियों पर हमले की बात हो...... हम इन सब को बिट्स के रेंगते नेट पर पढ़ ही लेते हैं |
और रही बात बिट्स की तो बिट्स में तो बस एक ही बात सुर्खियों में है ...**छोटी- छुट्टी** | इस छुट्टी में सब अपने ही रंग में हैं..| कुछ दोस्तों को घर की याद आई तो कुछ नैनीताल ,शिमला ,जयपुर जैसे ख़ूबसूरत शहरों का लुत्फ़ उठाने गए हैं..कुछ अपोजी के सारे काम निपटाने में लगे हैं ..तो कुछ LAN पर ही Counter Strike, FIFA ..में व्यस्त हैं ... जो इनसब से वंचित हैं वो गप शप करते और विंग में उछलते कूदते देखे जा सकते हैं |

अब कुछ बात इस छोटी छुट्टी के सबसे अच्छे हिस्से की " होली जो सिर्फ 2 दिन पहले गयी है | छोटी-छुट्टी शुरू हुई की नहीं ...हैप्पी-होली ..हैप्पी-होली कह घर जाने वालों की कतार लग गयी | पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी कैम्पस में कुछ सैकड़ों शर्ट , टी शर्ट और पतलूनें फटीं.. डरिये मत !!! हम विदेशी कपड़ों के बहिष्कार की बात नहीं कर रहे..हम तो बस आपको अवगत करा रहे हैं होली की एक हकीक़त से(जो थोड़ी दोस्ताना है ..और थोड़ी डरावनी भी) | इस वर्ष मेरी 3 टी शर्ट (बिट्स के) और 1 पतलून इस होली के रंग में मदमस्त जनता के हत्थे चढ़ गयी |होली खेलनी ही है (आप इससे बच नहीं सकते...wingies और दोस्त कहाँ छोड़ते हैं)| बस एक ही विकल्प रहता है ..... रंग से खेलिए या कीचड़ से |जी हाँ, जो साथी ये बहाने बनाते हैं कि उन्हें रंगों से नफरत है ..उनके लिए हम कीचड़ को रंग बनाते हैं | गुप्त सूत्रों से पता चला है कि झुंड में कैम्पस के भी खूब चक्कर लगे...और टी- लॉन के सामने ढेर सारी मस्ती भी | बस मीरा के अन्दर क्या खिचड़ी pkl ...यह बात नहीं बता सकता (थोड़ा गोपनीय है)|

इस रंग में रंगो तुम ऐसे ...
कि समां रंगीन हो जाए ...
घर की याद में किसी के अश्रु न बहने पाएँ..
हम दूर सही ...पर मस्त हों ऐसे..
न उन्हें याद हमारी आए..

आपका :-
प्रेम शंकर

संपादक : : प्रेम शंकर, श्रुति शुक्ला, शैलेश झा, प्रतीक माहेश्वरी
सह संपादक : : नित्य शर्मा,पुष्प सौरव
संवाददाता :: निरुपम आनंद, ऋत्विक राज, आलोक सोनी, विभु, विकल्प खंडेलवाल, हर्ष राज़, किशन, नीतिश,

वाणी - ०९ के लिए अपनी कृतियाँ **vaani.bits@gmail.com** पर भेजें या हमारे संवाददाताओं को **२० मार्च** से पहले दें |
ज्यादा जानकारी के लिए **www.hpc-bits.blogspot.com** या नोटिस बोर्ड पढें |

अब जब अपोजी को महज दो सप्ताह रह गए हैं ,सभी छात्र जोर शोर से अपने अपने प्रोजेक्ट पूरे करने में लग गए हैं | हालांकि ऐसे समय में कुछ छात्रों को निराशा जरूर हाथ लगी जब चयनकर्ताओं द्वारा उनके प्रोजेक्ट का चयन नहीं किया गया | चयन प्रक्रिया के बारे में कंट्रोल के छात्र ने बताया कि इस वर्ष सभी प्रोजेक्ट को 16 विभिन् वर्गों में बांटा गया है तथा CEERI और बिट्स के प्राध्यापकों द्वारा लगभग सभी वर्गों में अधिकतम 25 प्रोजेक्टों का चयन किया गया है | अचयनित प्रोजेक्ट के बारेमें कहा कि हालांकि उनका मूल्यांकन नहीं किया जायेगा किन्तु उन्हें प्रर्दशित करने नहीं रोका जायेगा | पिछले वर्ष कुल 87 विभिन्न कॉलेजों के 480 प्रतिभागियों ने अपोजी में हिस्सा लिया था | पर इस बार उनकी तादाद में काफ़ी इजाफे की उम्मीद की जा रही है | भारतवर्ष के 160 विभिन्न कालेजों से 3000 के करीब विद्यार्थियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है जो अपोजी का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं | पिछले वर्ष इनामी राशि कुछ 4 लाख रुपयों की थी जिसके इस वर्ष काफी ऊपर जाने की संभावना है |

सरहद पार

अपोजी 2009 में पहली बार ऐसा हो रहा है कि विदेश से टीमें भी इस बार मुकाबलों में हिस्सा लेंगी | बिट्स दुबई के अलावा सरहद पार से सात पाकिस्तानी युवकों का एक दल भी इस दफा पिलानी आने की तयारी में हैं | दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए ये काफ़ी दिलचस्प और अपने आप में अद्‌भुत बात होगी |अभी तक इस टीम ने **"मॉक यू एन "** में अपने शामिल होने की इजाज़त दी है |

ए सी एम् पर प्रतिबन्ध....

एस्सोसिएशन फॉर कम्प्यूटिंग एंड मशीनरी के सारे कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताएं को छात्र संघ ने असंवैधानिक गतिविधियों में शामिल होने के कारण रद्द कर दिया | 4 मार्च को ए सी एम् ने अपनी पहली वर्षगांठ मनाई थी जहाँ उप-कुलपति प्राध्यापक एल.के.महेश्वरी तथा अन्य वरिष्ट शिक्षकों को आमंत्रित किया गया था | अभी तक छात्र संघ या ए सी एम् ने इस प्रतिबन्ध की असली वजह का खुलासा नहीं किया है मगर कहा जा रहा है कि ए सी एम् के खिलाफ स्पोंसोर्शिप के नियमों को तोड़ने के लिए उठाये गए |

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा रक्तदान शिविर एक सफल आयोजन रहा | 2 दिन (21 और 22 फरवरी)तक SAC में चले इस कार्यक्रम में जनता ने काफी उत्साह दिखाया और कुल 518 व्यक्तियों ने रक्तदान किया| पिछले वर्ष ये आंकड़ा 720 था | सभी NSS कर्मियों और स्वयंसेवक विद्यार्थियों ने आयोजन को सफल बनाने में अपना कुशल योगदान दिया | मालवीय भवन से सबसे अधिक 71 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया | इनके अतिरिक्त भी जो लोग Hb संख्या कम होने के कारण रक्तदान नहीं कर सके उनका प्रयास भी सराहनीय था | ब्लड-डोनेशन कैंप में काफी उत्साह देखने को मिला और जनता ने बढ़-चढ़ कर योगदान दिया | छात्रों के इस सराहनीय योगदान से रेड क्रॉस से आये उच्च अधिकारीयों ने संतोष व्यक्त किया |

ऑस्कर की दौड़

Danny Boyl द्वारा निर्देशित फिल्म स्लमडॉग मिलिअनायर को मिले 8 ऑस्कर....... पर क्या ये भारत को मिले? हाँ,रहमान का संगीत तो हमेशा से ही सराहनीय रहा है और गुलजार के बोल तो हमेशा से ही चरम सीमा पर रहे हैं, किन्तु रहमान खुद ये मानते हैं की स्लमडॉग में जो संगीत उन्होंने दिया है उसमें भारतीय संगीत की कोई झलक नहीं देखी जा सकती | माना स्लमडॉग एक अच्छा चलचित्र है किन्तु भारत की इस तस्वीर को ही विश्व की स्वीकृति क्यों मिली? अगर देखा जाये तो ये भारत की वास्तविक तस्वीर नहीं है| हाँ भारत की झुग्गी- झोपड़ियों को सही तरह से दिखाया गया है पर क्या वहां भी एक ही व्यक्ति के साथ ,एक जीवनकाल में इतना बुरा हो सकता है? भारत के 70% नागरिक इससे कहीं बेहतर जीवन व्यतीत करते हैं तो शेष 30% को भारत का प्रतिबिम्ब कैसे माना जा सकता है |

क्यों भारत को आज भी सपेरों का देश (land of snake charmers) माना जाता है? क्या हम भारतीयों की सफलता सच में पूरी तरह से भाग्य पर निर्भर करती है? क्या हमारी मेहनत का कोई मोल नहीं? क्या वास्तविकता में हम भारतीय इतने बुरे हैं जैसा की स्लमडॉग में दर्शाया गया है ? भारत विश्व को सबसे अधिक चिकित्सक और अभियान्ता देता है,तो क्यों भारत के इस योगदान की सराहना नहीं की गयी आज तक? भारतीय संस्कृति विश्व में सर्वश्रेष्ठ है, तभी लोग आज पाश्चात्य सभ्यता त्याग कर इसकी तरफ खींचे चले आ रहे हैं |इस बात का जिक्र क्यों नहीं किया गया आज तक? अब हम यहाँ सवाल आप पर ही छोड़ते हैं कि स्लमडॉग कितनी भारतीय है और क्या यह ,भारत की वास्तविक तस्वीर दिखाती है?

श्रुति शुक्ला

उपलब्धियां

गत माह देशभर में सम्पन्न हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में बिट्स पिलानी के छात्रों ने अपना परचम लहराया है | इनमें मुख्य उपलब्धियां निम्नलिखित रहीं :-

1) प्रतियोगिता : **रोबोएक्स , टेककृति आई.आई.टी कानपुर**

स्थान अर्जित :- **प्रथम**

प्रतियोगियों के नाम :- **शशांक साहू ,राहुल रौशन ,आशय वेद सेन**

विवरण : - इंस्ट्रुमेंटेशन और ट्रिपल ई के छात्रों की ये तिकड़ी ने भाग ले रही 23 टीमों को हराकर ये प्रतियोगिता जीती | जिसमें एक स्वचालित रोबोट बनाना था जो कि एक घर में अपना रास्ता ढूंढकर एक जलती हुई मोमबत्ती को सबसे कम समय में बुझा दे |

2) प्रतियोगिता :- **हबितात यंग विजनरी अवार्ड**

स्थान अर्जित :- **द्वितीय**

प्रतियोगियों के नाम :- **अनुराग दत्ता**

विवरण :- तृतीय वर्ष के इस छात्र ने दो महीनों के लिए नेशनल जियोग्राफिक, हांग कांग में इन्टर्नशिप जीती है | इस प्रतियोगिता में प्रतियोगियों को 1500-2000 शब्दों में "भारत की युवा शक्ति और क्षमता- आपका दृष्टिकोण " पर निबंध 15 दिसम्बर 2008 तक भेजना था |

3) प्रतियोगिता :- **आर्टबोट , टेकफेस्ट आई.आई.टी बॉम्बे**

स्थान अर्जित :- **प्रथम**

प्रतियोगियों के नाम :- **उत्तम गाँधी,रवि शंकर इपिली,वेंकट कार्तिक,रवि किरण और श्रीकांत रामानोल्ला**

विवरण :- इन प्रतियोगियों द्वारा बनाई गयी वाल-ई रोबोट ने आर्टबोट श्रेणी में प्रथम स्थान जीता | जो एक ऐसा रोबोट था जिसमें कलात्मक क्षमता हो और जो अच्छा दिखे | यह रोबोट संगीत की धुनों पे नाचता भी है | इसकी समक्ष प्रोग्रामिंग C++ में की गयी है |

4) प्रतियोगिता :- **टाटा क्रुसिबल बिजनेस प्रतियोगिता (जयपुर चक्र)**

स्थान अर्जित :-**प्रथम**

प्रतियोगियों के नाम :-**शैलेश झा और ऋषभ कौल**

विवरण :- 14 फ़रवरी 2009 को जयपुर में आयोजित टाटा क्रुसिबल बिजनेस क्विज में बिट्स पिलानी की टीम ने बाजी मारी | 100 से भी अधिक टीमों ने भाग लिया जिसमें शीर्ष 6 टीमों को अगले चक्र में प्रवेश करने का अवसर मिला |आखिरकार 5 टीमों को इस चक्र में मात देने के बाद बिट्स पिलानी ने ताज अपने नाम किया |इसके अगले चक्र में टीम मुंबई की ओर प्रस्थान करेगी जहां मार्च के अंतिम सप्ताह में "ग्रैंड फिनाले" होगा |

5) **म. हर्ष वर्धन** जो एक तृतीय वर्षीय छात्र हैं, अभी अभी नोर्वे के त्रोंधीम में सम्पन्न अंतर्राष्ट्रीय छात्र महोत्सव से लौटे हैं | 20 फ़रवरी से 1 मार्च तक चले इस वार्षिक महोत्सव में 100 से ऊपर देशों से कुल 450 विद्यार्थियों का चयन किया गया और फिर उनके सोच और उद्देश्य को दिशा देने के लिए इस बड़े महोत्सव का हिस्सा बनाने का सुअवसर दिया गया | नोबल पुरस्कार विजेता डेसमंड टूटू के हाथों इस महोत्सव की शुरुआत की गयी | यहाँ आये युवा छात्रों के लिए 17 वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य था म्यूजिक, खेल,फोटोग्राफी,इकोनोमी आदि क्षेत्रों और शान्ति के बीच सम्बन्ध को मजबूत करने की और पूरे विश्व में शान्ति को बढ़ावा दिए जाने पर काफी बल दिया गया | सिर्फ ये ही नहीं ..शाँति का सन्देश फैला रहे छात्रों को या उनके द्वारा चलाये जा रहे संस्थानो को शाँति पुरस्कार से नवाजा भी गया | हर्ष शांति को बढ़ावा देने के लिए फिल्म और फोटोशूट में भी हिस्सा लेंगे | हमें आशा है किहर्ष जैसे युवा के नेक विचार एक उन्नत और समृद्ध भविष्य को नया रूप देने में कामयाब होंगे |